vinetur

फ्रांस की रिपोर्ट: HVE लेबल 40,000 खेतों तक पहुंचा, लेकिन उपभोक्ताओं को नहीं लुभा पाया

कृषि मंत्रालय ने स्थायी कर रियायत और जल संरक्षण पर केंद्रित नए स्तर का समर्थन किया; HVE प्रमाणित खेतों में 62% अंगूर के बाग हैं

सोमवार, 23 नवंबर 2026



सोमवार, 23 नवंबर को फ्रांस के कृषि मंत्रालय ने देश के Haute Valeur Environnementale यानी HVE प्रमाणन के भविष्य पर एक रिपोर्ट प्रकाशित की। रिपोर्ट के मुताबिक, इस लेबल का दायरा करीब 40,000 खेतों तक पहुंच चुका है, लेकिन यह अब भी उत्पादकों के लिए पर्याप्त मूल्य पैदा करने और उपभोक्ताओं के बीच व्यापक पहचान हासिल करने में संघर्ष कर रहा है।

CGAAER द्वारा तैयार और मंत्रालय की ओर से जारी यह रिपोर्ट प्रमाणन की पर्यावरणीय शर्तों को सख्त करने वाले पिछले सुधार के बाद आई है। मंत्रालय के अनुसार, अब मुख्य सवाल केवल यह नहीं है कि लेबल की पर्यावरणीय महत्वाकांक्षा कितनी ऊंची है, बल्कि यह भी है कि कृषि क्षेत्रों और बाजार द्वारा बढ़ावा दिए जा रहे अन्य मानकों के साथ HVE अपनी भूमिका को अधिक स्पष्ट कैसे बना सकता है।

HVE फ्रांस में खेतों के लिए पर्यावरणीय प्रमाणन है। मंत्रालय ने कहा कि रिपोर्ट में व्यवस्था को समझने में आसान, अधिक लचीला और व्यावसायिक रूप से बेहतर प्रतिफल देने वाला बनाने के तरीकों की पड़ताल की गई है। प्रमाणित खेतों की संख्या बढ़ने के साथ यह मुद्दा और तात्कालिक हो गया है, जबकि बाजार में इस लेबल का मूल्य अब भी अनिश्चित है।

आधिकारिक सारांश के अनुसार, रिपोर्ट में HVE कर रियायत को अस्थायी सहायता उपाय के बजाय स्थायी बनाने की सिफारिश की गई है। इसमें समकक्ष प्रमाणनों को मान्यता देने और जल संरक्षण से जुड़ा नया स्तर 4 बनाने का प्रस्ताव भी है।

ये सिफारिशें अधिक स्थिर सार्वजनिक सहायता ढांचे और प्रमाणन व्यवस्था के व्यापक स्वरूप की ओर इशारा करती हैं। स्थायी कर रियायत से किसानों को इस व्यवस्था में बने रहने की दीर्घकालीन लागत घट सकती है। समकक्ष प्रमाणनों को मान्यता मिलने से उन उत्पादकों के लिए दोहराव वाली प्रक्रियाएं भी कम हो सकती हैं, जो पहले से अन्य पर्यावरणीय योजनाओं के तहत काम कर रहे हैं। जल पर केंद्रित नया स्तर कार्यक्रम को अधिक विशिष्ट नीतिगत भूमिका दे सकता है, ऐसे समय में जब फ्रांस के कई हिस्सों में पानी की गुणवत्ता और उपलब्धता पर दबाव बढ़ रहा है।

मंत्रालय ने कहा कि इस प्रमाणन को उपभोक्ताओं का भरोसा जीतने में अब भी कठिनाई हो रही है। यह अहम है, क्योंकि पर्यावरणीय लेबल अक्सर बिक्री के समय मिलने वाली पहचान पर निर्भर करते हैं, ताकि खेतों में अपनाई गई पद्धतियों से ऊंची कीमतें, मजबूत अनुबंध या दुकानों में बेहतर जगह मिल सके। अगर खरीदारों और उपभोक्ताओं को HVE का अर्थ स्पष्ट न हो, तो किसानों को अनुपालन की अतिरिक्त लागत उठानी पड़ सकती है, जबकि उन्हें व्यावसायिक लाभ मिलना तय नहीं होगा।

फ्रांस के वाइन क्षेत्र के लिए यह मुद्दा खास तौर पर अहम है। आधिकारिक सारांश के अनुसार, HVE प्रमाणित खेतों में अंगूर की खेती करने वाले खेतों की हिस्सेदारी 62% है, जिससे अंगूर के बाग इस कार्यक्रम का सबसे बड़ा समूह हैं। इसका अर्थ है कि कर सहायता, मान्यता के नियमों या प्रमाणन संरचना में किसी भी बदलाव का असर फ्रांस के वाइन उत्पादकों के बड़े हिस्से पर पड़ सकता है। इससे उनके प्रमाणन खर्च, खुदरा विक्रेताओं और निर्यातकों के सामने उनकी पर्यावरणीय पहचान और प्रतिस्पर्धी बाजार में बोतलों को अलग दिखाने के तरीके प्रभावित हो सकते हैं। ऐसे ही प्रभाव उन अन्य पेय आपूर्ति श्रृंखलाओं तक भी पहुंच सकते हैं, जो खेत-स्तर के पर्यावरणीय दावों पर निर्भर हैं; हालांकि इस व्यवस्था में वाइन क्षेत्र की बड़ी हिस्सेदारी के कारण सीधा असर उस पर सबसे अधिक पड़ने की संभावना है।

मंत्रालय ने HVE को ऐसी सफल पहल के रूप में पेश नहीं किया जिसकी कामयाबी तय हो चुकी हो। इसके बजाय, रिपोर्ट के उसके विवरण से साफ है कि यह लेबल अब अधिक चुनौतीपूर्ण दौर में प्रवेश कर चुका है। संख्या में विस्तार और अधिक सख्त शर्तों के बाद अब इसे मानकों, निजी लेबलों और क्षेत्र-आधारित प्रतिबद्धताओं की भीड़ में अपनी उपयोगिता साबित करनी है। व्यावहारिक रूप से, HVE को किसानों और खरीदारों—दोनों को यह दिखाना होगा कि इसे उनकी रणनीतियों का हिस्सा क्यों बने रहना चाहिए।

रिपोर्ट के प्रकाशन से यह भी संकेत मिलता है कि फ्रांसीसी अधिकारी विश्वसनीयता और उपयोग में आसानी के बीच संतुलन तलाश रहे हैं। बहुत कमजोर माने जाने वाले प्रमाणन से उपभोक्ताओं या पर्यावरण समूहों को भरोसा नहीं मिल सकता। वहीं, बहुत कठोर या महंगा प्रमाणन किसानों का समर्थन खो सकता है, खासकर तब जब बाजार उसका प्रतिफल न दे। अधिक स्पष्ट और लचीली व्यवस्था की मांग करके रिपोर्ट का तर्क प्रतीत होता है कि HVE को अपनी पहचान मजबूत करनी होगी, लेकिन उसे अपनाना या बनाए रखना अधिक कठिन बनाए बिना।

इस लिहाज से समकक्ष प्रमाणनों को मान्यता देने का प्रस्ताव अहम हो सकता है। किसानों को अक्सर सार्वजनिक कार्यक्रमों, खरीदारों और उद्योग निकायों की एक-दूसरे से मिलती-जुलती मांगों का सामना करना पड़ता है। अगर इन व्यवस्थाओं में बेहतर तालमेल हो सके, तो अनुपालन की लागत और जटिलता घट सकती है। यह वाइन जैसे क्षेत्रों के लिए प्रासंगिक होगा, जहां उत्पादकों को एक ही समय में पर्यावरण, गुणवत्ता और मूल स्थान से जुड़ी कई शर्तों का पालन

करना पड़ रहा है।

जल संरक्षण से जुड़ा नया स्तर 4 बनाने की सिफारिश यह भी दर्शाती है कि इस लेबल के इस्तेमाल का तरीका बदल सकता है। व्यापक पर्यावरणीय पहचान के रूप में काम करने के बजाय, HVE को किसी विशिष्ट सार्वजनिक नीतिगत प्राथमिकता को सामने लाने के लिए ढाला जा सकता है। सूखे, सिंचाई पर बहस और जल गुणवत्ता पर बढ़ते दबाव के कारण फ्रांस की कृषि में पानी एक संवेदनशील मुद्दा बन गया है। इस विषय से जुड़ा प्रमाणन स्तर अधिकारियों को सहायता या मान्यता अधिक लक्षित ढंग से देने में मदद कर सकता है और उत्पादकों को यह स्पष्ट संकेत भी दे सकता है कि किन पद्धतियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

फिलहाल, मंत्रालय ने रिपोर्ट को चर्चा का आधार बनाकर प्रकाशित किया है, तत्काल नीतिगत बदलाव की घोषणा के रूप में नहीं। फिर भी, यह दस्तावेज फ्रांस के सबसे चर्चित कृषि-पर्यावरणीय लेबलों में से एक के भविष्य की दिशा तय करता है। यह ऐसे समय में आया है जब देश जलवायु और जैव विविधता के लक्ष्यों को कृषि आय और बाजार की वास्तविकताओं के साथ संतुलित करने की कोशिश कर रहा है। HVE प्रमाणित खेतों में अंगूर के बागों की हिस्सेदारी सबसे अधिक होने के कारण इस बहस पर वाइन उत्पादकों, सहकारी संस्थाओं, व्यापारियों और खुदरा विक्रेताओं की करीबी नजर रहने की संभावना है—खासकर उन लोगों की, जो अपनी व्यावसायिक रणनीति के हिस्से के रूप में पर्यावरणीय प्रमाणन का इस्तेमाल करते हैं।